19-11-2020

ट्रिस्टन दा कुन्हा द्वीप
Tristan Da Cunha Island

प्रश्न :- निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए :

1. ट्रिस्टन दा कुन्हा द्वीप ब्रिटेन के अधिकार क्षेत्र में आता है, इस क्षेत्र में चार मुख्य द्वीप शामिल है, जिनमें से सबसे बड़ा ट्रिस्टन दा कुन्हा है, जो दक्षिण अफ्रीका के केप टाउन से 2810 किलोमीटर पश्चिम में स्थित है।
2. ट्रिस्टन दा कुन्हा द्वीप परिषद द्वारा लिया गया यह महत्वाकांक्षी निर्णय स्थानीय नेतृत्व का एक शानदार उदारण है।

उपरोक्त में से कौन-सा/से कथन सत्य है/हैं?

(A) केवल 01 (B) केवल 02
(C) 01 और 02 (D) कोई नहीं

उत्तर :- (C) 01 और 02

भूमिका :- हाल ही में दक्षिण अटलांटिक महासागर में स्थित ट्रिस्टन दा कुन्हा द्वीप की सरकार ने इस क्षेत्र में पाए जाने वाले रॉकहॉपर पीले-नाक वाले अल्बाट्रोस और अन्य वन्यजीव के सरक्षंण हेतु युनाइटेड किंगडम से लगभग तीन गुना बड़े क्षेत्र को मरीन प्रोटेक्टेड एरिया बनाने का निर्णय किया है।

परीक्षा उपयोगी बिंदु :-

- ट्रिस्टन दा कुन्हा द्वीप ब्रिटेन के अधिकतर क्षेत्र में आता है, इस क्षेत्र में चार मुख्य द्वीप शामिल हैं, जिनमें से सबसे बड़ा ट्रिस्टन दा कुन्हा है, जो दक्षिण अफ्रीका के केप टाउन से 2810 किलोमीटर पश्चिम में स्थित है।
- ब्रिटेन ने ट्रिस्टन दा कुन्हा पर 1816 में अधिकार कर लिया था और इस क्षेत्र में पहली स्थायी बस्तियाँ स्थापना की थी।
- ट्रिस्टन दा कुन्हा द्वीप परिषद द्वारा लिया गया यह महत्वकांक्षी निर्णय स्थानीय नेतृत्व का एक शानदार उदारण है।
- इस निर्णय के अनुसार ट्रिस्टन दा कुन्हा समेत इस द्वीपसमूह के तीन अन्य प्रमुख द्वीपों के चारों और 627,247 वर्ग किलोमीटर महासागर में मछली पकड़ने और अन्य गतिविधियों पर प्रतिबंध लगाया जाएगा।
- यह मरीन प्रोटेक्टेड एरिया अटलांटिक महासागर में सबसे बड़ा और दुनिया में चौथा सबसे बड़ा "नो-टेक जोन " होगा। इससे यहाँ की मछलियों और उनपर निर्भर करोड़ो पक्षियों की रक्षा की जा सकेगी।

DOWNLOAD KAUTILYA ACADEMY APP FROM GOOGLE PLAY STORE
AND GET FREE DAILY CURRENT AFFAIRS

- दक्षिण अफ्रीका और अर्जेंटिना से लगभग समान दूरी पर स्थित इस क्षेत्र में कई और डॉल्फिन की 11 प्रजातियां शामिल है।
- ब्रिटिश विदेशी क्षेत्र में मरीन सरंक्षण को बढ़ावा देने वाले "ब्लू बेल्ट कार्यक्रम" के तहत यू.के इस संरक्षण क्षेत्र को 27 मिलियन पाइंड अनुदान प्रदान कर रहा है।

क्विक रिएक्शन सरफेस टू एयर मिसाइल

प्रश्न :- निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए :

1. क्विक रिएक्शन सरफेस टू एयर मिसाइल की रेंज 25 से 30 किलोमीटर तक है।
2. यह मिसाइल सिंगल स्टेज सॉलिड प्रोपलेंट रॉकेट मोटर से संचालित है, यानी इसके लिए ठोस ईधन का उपयोग होता है।
3. क्विक रिएक्शन सरफेस टू एयर मिसाइल रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन द्वारा विकसित एक मिसाइल है।

उपरोक्त में से कौन-सा/से कथन सत्य है/हैं?

(A) केवल 01 (B) केवल 02
(C) केवल 03 (D) उपरोक्त सभी

उत्तर :- (D) उपरोक्त सभी

भूमिका :- हाल ही में भारत एक क्विक रिएक्शन सरफेस टू एयर मिसाइल प्रणाली का सफल परीक्षण किया जिसने हवाई लक्ष्य पर सटीक निशाना साधकर इसे नष्ट कर दिया। यह परीक्षण ओडिशा के चांदीपुर स्थित एकीकृत परीक्षण केन्द्र से किया गया।

परीक्षा उपयोगी बिंदु :-

- क्विक रिएक्शन सरफेस टू एयर मिसाइल की रेंज 25 से 30 किलोमीटर तक है, मिसाइल 4.7 मैक स्पीड़ से दुश्मन पर वार करती है। इस तरह इसकी स्पीड़ लगभग 5800 किलोमीटर प्रति घंटा है।
- यह मिसाअल सिंगल स्टेज सॉलिड प्रोपलेंट रॉकेट मोटर से संचालित है। यानी इसके ठोस ईधन का उपयोग होता है।
- इस मिसाइल को मोबाइल लॉन्चर से दागा जाता है, जो एक साथ छह मिसाइलों को ले जाने में सक्षम है। क्विक रिएक्शन सरफेस टू - एयर मिसाइल रक्षा अनुसंधान और विकास संगठरन द्वारा विकसित एक मिसाइल है।
- इसे भारतीय सेना के लिए भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड और भारत डायनेमिक्स लिमिटेड के सहयोग से तैयार किया गया है।

DOWNLOAD KAUTILYA ACADEMY APP FROM GOOGLE PLAY STORE
AND GET FREE DAILY CURRENT AFFAIRS

- यह मिसाइल सभी मौसम और सभी इलाकों मे सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल है, जो एयरक्राफ्ट रडार द्वारा जाम करने के खिलाफ इलेक्ट्रॉनिक काउंटर से लैस है।
- इसका पहला परीक्षण 4 जून 2017 को हुआ था। इससे पहले 16 फरवरी 2016 को इसका सफल परीक्षण किया गया था।

चैपर वायरस (Chapare Virus)

प्रश्न :- निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए :

1. अमेरिका के रोग नियंत्रण और रोकथाम केन्द्र ने बोलीविया में एक दुर्लभ वायरस चैपर वायरस या चापरे वायरस की खोज की है।
2. यह वायरस मानव-से-मानव संचरण में सक्षम है, और इबोला जैसा रक्तः स्त्रावी बुखार पैदा कर सकता है।
3. वर्ष 2004 में लापाज के चैपर क्षेत्र मे इसका सीमित विस्तार देखने को मिला था।

उपरोक्त में से कौन-सा/से कथन सत्य है/हैं?

(A) केवल 01 (B) केवल 02
(C) केवल 03 (D) उपरोक्त सभी

उत्तर :- (D) उपरोक्त सभी

भूमिका :- हाल ही में अमेरिका के रोग नियंत्रण और रोकथाम केन्द्र ने बोलीविया में दुर्लभ चैपर वायरस के मानव-से-मानव संचरण की पुष्टि की गई है।

परीक्षा उपयोगी बिंदु :-

- यह वायरस मानव -से-मानव संचरण में सक्षम है, और इबोला जैसा रक्तःस्त्रावी बुखारपैदा कर सकता है।
- कोरोना जैसी भविष्य की महामारियों को रोकने के लिए दुनिया भर के वैज्ञानिकों के निरंतर प्रयासों के दौरान ही इस दुर्लभ वायरस की खोज की गई है।
- वर्ष 2019 में बोलोविया की राजधानी लापाज में इस वायरस से संक्रमित दो लोगों से यह तीन स्वास्थ्य कर्मियों में संचालित हो गया था। इनमें से एक संक्रमित व्यक्ति के साथ-साथ स्वास्थ्य कर्मियों की भी मौत हो गयी थी।
- सबसे पहले 2004 में लापाज के चैपर क्षेत्र में इसका सीमित विस्तार देखने को मिला था। इसलिए वैज्ञानिकों द्वारा इस वायरस का नाम चैपर वायरस रखा गया।

DOWNLOAD KAUTILYA ACADEMY APP FROM GOOGLE PLAY STORE
AND GET FREE DAILY CURRENT AFFAIRS